अप्रेल माह के प्रार्थना निवेदन

अप्रेल 2018: ''और उस ने उन ने कहा, तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो'' (मरकुस 16:15)। मध्य अमरीका में अक्सर भयानक तूफान आते रहते हैं, जिससे भूस्खलन, अकाल, या बाढ़ जैसी स्थितियाँ निर्मित होती हैं, इससे घर और खेत बर्बाद होते हैं, लोग कुपोषण के शिकार होते हैं, और पेयजल दूषित हो जाने के कारण संकट उत्पन्न होता है। द मेनोनाइट चर्च इन गौटेमाला सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में और सुविधाओं से वंचित शहरी क्षेत्रों में सेवाकार्य करती है। गौटेमाला शहर के जो क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं वहाँ पेयजल का स्तर अत्यंत नीचे चला गया है, जिसके कारण यहाँ बीमारियों और सामाजिक असंतोष का खतरा बढ़ गया है।

अप्रेल 2018: ''एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है। एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा, और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है'' (इफिसियों 4:4–6)। प्रभु की स्तुति हो कि विश्व भर के मेनोनाइट व ऐनाबैपटिस्ट कॉंफ्रेंसों के अगुवों को 23–26 अप्रेल तक केन्या के नैरोबी में आयोजित मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस की हर तीन वर्ष में होने वाली जनरल कॉंसिल की बैठकों में आमने सामने मिलने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस आयोजन से पहले एमडब्ल्यूसी समितियों व नेटवर्कों की बैठकें सम्पन्न होती हैं। प्रार्थना करें कि इस अवसर पर एकता की आत्मा के द्वारा विशेष रूप से हम एक मन के किए जाएं जबकि हम सभी प्रतिनिधि एमडब्ल्यूसी के कार्यक्रमों की योजनाएं और दीर्घकालीन लक्ष्यों को तैयार करेंगे, आर्थिक मामलों का पुनरावलोकन करेंगे (फेयर शेयर समेत), कमीशनों के लिए नए प्रतिनिधि और कार्यपालन स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति करेंगे, विवादित मुद्दों पर प्रतिक्रिया देने के लिए दिशानिर्देश तैयार करेंगे, मूलनिवासियों के साथ समानुभूति व्यक्त करते हुए एक वक्तव्य और सार्वभौमिकता पर एक शिक्षण सामग्री तैयार करेंगे।

अप्रेल 2018: प्रभु की स्तुति हो कि नेपाल के भाई बहन सितम्बर में आई भयंकर बाढ़ के बाद अपने आप को फिर से स्थापित कर रहे हैं। भूमिहीन ग्रामीण एमसीसी और ब्रदरन इन कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने पुनर्निर्माण के लिए सामग्रियाँ उपलब्ध कराया, खेती करने के लिए लीज पर जमीन दी, उत्पादों को बेचने के लिए बाजार का प्रबन्ध किया, और स्त्रियों को सिलाई का प्रशिक्षण दिया। बीआईसी मण्डलियों को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण रखें जबकि वे कलीसिया की विभिन्न गतिविधियों के द्वारा परमेश्वर की सेवा करती हैं और उस क्षेत्र के बहुत से लोगों तक उसके नाम को लेकर जाती हैं।